FEVER

बुखार

- बुखार (FEVER)
- बुखार (FEVER) की एलोपैथी दवाओं के साइड इफ़ेक्ट
- आयुर्वेद में बुखार का उपचार

बुखार (FEVER)

बुखार (Fever):

जब शरीर का तापमान 98.6 डिग्री फारेनहाइट के आसपास हो तो उसे सामान्य शारीरिक तापमान माना जाता है। हालांकि, शरीर का सामान्य तापमान अन्य कई कारकों पर भी निर्भर करता है, जैसे आपके द्वारा खाया गया भोजन, सोने का तरीका और आपके द्वारा की गई शारीरिक गतिविधियां आदि। हालांकि, जब शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता हो, तो इस स्थिति को बुखार (Fever) कहा जाता है और इसका मेडिकल नाम पाइरेक्सिया (Pyrexia) है। बुखार आमतौर पर संक्रमण के कारण होता है, जिनमें मुख्य रूप से वायरल संक्रमण और बैक्टीरियल संक्रमण शामिल हैं।

बुखार वास्तव में कोई बीमारी नहीं होती है, बल्कि किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का लक्षण होता है। जब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immune System) संक्रमण बैक्टीरिया या अन्य किसी रोगाणु से लड़ने के लिए अधिक मेहनत करती है, तो उसकी प्रतिक्रिया के रूप में शरीर का तापमान बढ़ जाता है।

बुखार के प्रकार :

मेडिकल साइंस के अनुसार फीवर के प्रमुख प्रकार निम्न हैं -

लो ग्रेड फीवर - यह सबसे आम प्रकार का बुखार है, जिसमें शरीर का तापमान 100 से 101 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है।

हाई ग्रेड फीवर - यदि शरीर का तापमान 103 से 104 डिग्री फारेनहाइट है, तो इस स्थिति को हाई ग्रेड फीवर की श्रेणी में रखा जाता है।

डेंजरस ग्रेड फीवर - यह बुखार का सबसे घातक प्रकार है, जिसमें शरीर का तापमान 104 से 107 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ जाता है। यह आमतौर पर किसी अंदरूनी गंभीर बीमारी का संकेत देता है। हालांकि, बुखार की प्रकृति के अनुसार उसे अन्य कई प्रकारों में बांटा गया है, जिनमें आमतौर पर निम्न शामिल हैं-

सस्टेंड फीवर - बुखार का यह प्रकार लंबे समय तक रहता है और इसमें शरीर का तापमान लगातार बढ़ा ही रहता है।

रेमिटेंट फीवर - इसमें शरीर का तापमान बार-बार कम व ज्यादा होता रहता है।

इंटरमिटेंट फीवर - यह बुखार बार-बार आता है, जिसमें शरीर का तापमान कभी सामान्य हो जाता है, तो कभी बढ़ जाता है।

पूरे भारत में हमारे 80+ क्लीनिक व 40+ से अधिक हॉस्पिटल व डे केयर सेंटर हैं

स्वर्गीय राजीव दीक्षित जी

क्या आप अस्थमा रोग से परेशान हैं ?

जीना सीखो आयुर्वेद हॉस्पिटल में पाएँ किडनी स्टोन की समस्या का समाधान

आज ही अपनी अपॉइंटमेंट बुक करें।

कॉल करें: 82704-80704

फीवर (FEVER) यानी की बुखार में दी जाने वाली अंग्रेजी /एलोपैथिक दवाईयाँ और उसके साइड इफ़ेक्ट

***ACETAMINOPHEN / PARACETAMOL**
- Dolo650
- Panadol
- Crocin
- Tylenol
- Temptal
- Tempros(500MG)
- Fimol
- Dolo(500MG)
- P-500
- Amidol

***DICLOFENAC SODIUM**
- Cambia
- Cataflam
- Voltaren
- Zipsor
- Zorvolex

***VOFEN**
- Aceclofenac+Acetaminophen+Serratiopeptidas

***ACETYL-SALICYLIC ACID**
- Aspirin
- Disprin
- Solosprin(75MG)

***IBUPROFEN SODIUM SALT**
- Brufen
- Advil
- Ibuprofen
- Bren
- Ibut-200
- Bar
- Fla-4
- Tricofen
- Tricofen(400MG)
- Avibru

***ISO-ISOSORBIDE MONONITRATE + ASPIRIN**
- Vasoprin150
- VasoprinSD/LS
- Ecosmin(150MG)

***ISO-SORBIDE MONONITRATE**
- Nitrofix–AS

***SULFONAMIDES / NIMESULIDE**
- Nicip
- Nise
- Pyrimide
- Nimulid / Nimulid MD
- Nimprex
- Crolid
- Nimopic MD

***PROPOXYPHENE HYDROCHLORIDE**
- Propoxyphene

***NAPROXEN**
- Naprosyn
- Pronaxen
- Naprogesic
- Anaprox
- Nalgesin

***KETOPROFEN**
- Redufen
- Ostofen
- RhofenidEC
- RhofenidSR
- Ketofen
- Ketofen(100MG)
- Redufen(100MG)
- Rhofenid(2/10Ml)

***IBUPROFEN+ACETAMINOPHEN**
- Ibupara
- Ibulab

***Acetaminophane+ Tramadol**
- ULTRAMOL

***Diclofenac +Acetaminophen**
- ULTRAGIN

***Aceclofenac+Acetaminophen**
- INDAMOL

जानिए मॉडर्न पैथी द्वारा बताये गए इन दवाईयों के साइड इफ़ेक्ट :

बुखार की अंग्रेज़ी गोलियाँ कर रही हैं "आपकी हड्डियाँ खोखली"
https://www.bmj.com/content/350/bmj.h1225

Nonsteroidal Antiinflammatory दवाओं के "हार्ट व किडनी" पर प्रतिकूल प्रभाव"
https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/24393558/

Non Steroidal Anti inflammatory drugs से हो रहा है "लिवर फेल"
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5820561/

फीवर (FEVER) यानी की बुखार में दी जाने वाली अंग्रेजी /एलोपैथिक दवाईयाँ और उसके साइड इफ़ेक्ट

Aspirin & Other NSAIDS CAUSE "Platlet Dysfunction" leading to "Excess Bleeding"
https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/10390125/

NSAIDS से होते "Anaphylactic Reaction"
जीवन-घातक एलर्जी
https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/12668894/

FDA warns of "Serious skin reactions" with the pain reliever/fever reducer acetaminophen
https://www.fda.gov/drugs/drug-safety-and-availability/fda-drug-safety-communication-fda-warns-rare-serious-skin-reactions-pain-relieverfever-reducer

अब तो National Institute for Health and Care Excellence (NICE) भी जोड़ों के दर्द में पैरासिटामोल लेने से मना करने लगा है
https://www.pulsetoday.co.uk/news/clinical-areas/musculoskeletal-and-rheumatology/nice-warns-against-prescribing-paracetamol-for-osteoarthritis/#.VVx9fmQfb5o

इनके अतिरिक्त अन्य दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं :

▸ Itching- खुजली ▸ Headache- सिर दर्द ▸ Dizziness- बेहोशी ▸ Gas- गैस /बदहज़मी ▸ Hives- त्वचा की बीमारी ▸ Constipation- कब्ज ▸ Bloating- पेट का फूलना ▸ Diarrhea- अधिक मल स्त्राव ▸ Feeling Nervous- घबराहट ▸ Rashes- एलर्जी या खरोंच ▸ Kidney Damage - किडनी डैमेज का ख़तरा ▸ Liver Damage- लिवर ख़राब हो जाना ▸ Hearing Problems- सुनने में कमी ▸ Cardiac Issues - दिल की बीमारियाँ ▸ Ringing In The Ears- कानो में सनसनी ▸ Drowsiness- होश का कम होना, सुस्त रहना ▸ Sleeping Difficulties- नींद की बीमारी ▸ Acute Kidney Injury - एक्यूट किडनी इंजरी ▸ Difficulty Breathing- साँस लेने में दिक्कत ▸ Lowers Platelets- खून में प्लेटलेट्स की कमी ▸ Hoarse Voice- गला बैठ जाना या आवाज़ खराब रहना ▸ Excessive Thirst- मुख का सूखा रहना, प्यास का ज्यादा लगना ▸ Difficulty in Swallowing- खाने- पीने व निगलने में दिक्कत ▸ Inflamed, Peeling Or Blistering Skin- त्वचा का फटना या ज़ख्म बन जाना ▸ Damage To Male/Female Reproductive Health - पौरुष स्वास्थ्य का नाश, सेक्स कमज़ोरी ▸ Burning Or Tingling Sensation In The Legs And Arms- हाथों पेरों में जलन या कीड़ियाँ चलना ▸ Swelling Of The Face, Tongue, Throat, Lips, Hands, Feet, Eyes, Lower Legs, Or Ankles- शरीर, मुहं, चेहरा पर या हाथ पैरों, गले में सूजन होना

आयुर्वेद के अनुसार उल्टी, दस्त, ज़ुकाम, बुखार हमारे मित्र हैं

आयुर्वेद में बुखार का उपचार

बुखार शत्रु नहीं मित्र रोग है :-

आयुर्वेद के अनुसार बुखार मुख्यतः 2 कारणों से होता है, एक अंदरूनी कारण -दूसरा बाहरी कारण।

अंदरूनी कारण :- इसमें शरीर अपने तापमान को बढाता है, अपने अन्दर के टॉक्सिक पित्त को जलने के लिए, इंसानी शरीर बहुत ही इंटेलीजेंट है और इसलिए शरीर खुद को ठीक करने के लिए और अन्दर से रिपेयर करने के लिए कुछ समय बाद बुखार के रूप में तापमान को बढाता है।

बाहरी कारण :- इसमें जब भी कोई पैथोजन शरीर के अन्दर प्रवेश करता है, तो शरीर का खुद का इम्यून Responce तापमान को बढाता है। ताकि जो भी पैथोजन शरीर के अन्दर आया है उसे शरीर पर हार्म करने से रोका जा सके, इसलिए बुखार को मित्र रोग भी कहा जाता है। तापमान बढ़ा कर शरीर Harmful बेक्टीरिया को ख़त्म करती है और Harmful वायरस को Populate करने से रोकती है।

What should we do in Fever..? According to Ayurveda

"लंघन परम औषधम" अर्थात उपवास सबसे बड़ी औषधि है। जब भी हम उपवास करते हैं, तो हम अपने शरीर के इम्यून सिस्टम की पैथोजन से लड़ने में मदद करते हैं।

जब हमारे शरीर में कोई पैथोजन प्रवेश करता है, शरीर की उर्जा उसे खत्म करने में इम्यून सिस्टम की मदद करती है। लेकिन अगर उस समय हम पका हुआ खाना खायेंगे या ऐसा खाना खायेंगे जिसको पचाने में बहुत समय लगता है, तो शरीर की उर्जा जो पहले इम्युनिटी की हेल्प कर रही थी वो अब खाने को पचाने में इस्तेमाल होगी। मतलब जहाँ हम 2-3 दिन में ठीक होने वाले थे अब हमें ठीक होने में दुगना या तिगुना समय लगेगा या दवा की मदद लेनी पड़ेगी।

Home Remedy (घरेलू उपचार) :-

1. LLHWI (40 डिग्री तापमान के पानी में लैवेंडर तेल डालके, उसमें अपने पैर घुटनों तक डुबो कर रखें)
2. तेज़ गर्म 500ml निम्बू पानी चुस्की लेते हुए पियें
3. 200ml पानी में थोड़ा नमक मिलाकर जल नेति करे

उपवास के समय शरीर को Hydrate रखने के लिए नारियल पानी और Citrus फ्रूट Juice का सेवन करें।